

અધ્યપુરુષના શાસન રાજ પિલ્લાન
શેડોલિંગ, કેલ્ટાન ગુંગા

// આદેશ //

શોપાલ દિનાંક / 11/2005

એસેન્ટ એફ-03/22/01/10-1 : રાજ્ય શાસન દ્વારા નિષ્ણલિખિત ઉષ વન દ્વારા લેલો
એસેન્ટ દિનાંક 13.12.2004 રે અન્યાંથી એ રે આમારી જાદેશ તફ ત્યાનાપન્ન વનદેશ્વરપાલ
વનદેશ્વરપાલ કે ઘઢ ઘર પેતનગામ લાયે 5500-175-9000 મેં પદોન્નત કર ઠનકે નામ
એ પાલસુખ છાલાય નું ૩ મેં કાર્યાલય સ્પેશ ઘર પદ્ધત્ય કિયા જાતા હૈ :-

| નંબર | દિનાંક | અધિકારી દા રોગ | ઘાયાન | નાયાન | પદ્ધત્યાપના | ઘદુંધાપના |
|------|---------|---|-------|-------|-------------|---|
| 1. | 2: | 3 | 4 | 5 | | |
| 01. | 60 (૫૦) | શ્રી રામલાલ ઘર્યું ✓ SC | રીઘડ | દૃતા | ૧ | ૧. શ્રી કુદાર રા. કલીલ શહેરોન, ગા. પ. સ. ૨. પિ. ગ. જાળા. એસ પિસ્તાર છેન્ડ્ર લાગા |
| 02. | 124 | શ્રી જવાહેરલાલ ગ્રામ (૬) | રીયા | દૃતા | | ૩. કુ.સ.તી.દ હાયાદ્ર ચિન્દ્વાડ્ડ. હાયાદ્ર પાર્મિલ |
| 03. | 132 | શ્રી ઘરાલાલ. પાટિલ SC | દેહન | દૃતા | ૨ | ૪. અ. અ. અ. પુરસુર રામાલ્ય દિંદોરી. ગા. એ. સ. ૫. શ. રા.ચિ. રા.યાન્ય |
| 04. | 257 | શ્રી વનરાહિલાલ ST | સંલા | (૧) | | ૬. અ. અ. અ. અ. અ. અ. અ. અ. |
| 05. | 620 | શ્રી મેલસાલ રિદ્દારે ST | ફણફણ | દૃતા | (૨) | ૭. ક્રિષ્ણ રાલાલાલ તા.માન્ય વન મંદ્ર |
| 2/ | | દૃતા પદોન્નતિ પ્રચિન લાગાલવીન હુલાંગે મેં જારી નિર્ધિ | | | | |
| 3/ | | મ. ફુ. જોડ રેયા પદોન્નતિ નિયમ 2002 એ અધીન દુઃખિકા દુઃખિકા કરને દેહ નિષ્પારિત રોલાર કે અનુસાર પદોન્નતિ કી પ્રચિનિકાર્ય રોલાર પંચી એ | | | | |

मध्यपृदेश शासन, वन विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन

// आदेश //

भोपाल-दिनांक ०१ अक्टूबर 2005

क्रमांक सफ-३/२२/२००४/१०-१ : राज्य शासन द्वारा निम्नलिखित उप वनक्षेत्रपालों को
दिनांक १३. १२. २००४ से अत्याई स्थि ते आगामी आदेश तक स्थानापन्न वनक्षेत्रपाल के
पद पर वैतनमान रूपये ५५००-१७५-९००० में पदोन्नत कर उनके नाम के सम्बुद्ध कालम
क्रमांक ५ में दर्शाए रखान पर घटन्य किया जाता है :-

अ. क्र. वरिष्ठता क्रं०

दि. १. ४. ०३

शीक्षिति में

अधिकारी का नाम

वर्तमान

नवीन

पदस्थापना

पदस्थापना

०१. २२

श्री ब्रतावतिह तितोदिया

इन्दौर वृत्त

वरिष्ठ अधिकारी

धार, तामान्य वन
मंडल धार

०२. १५५

श्री राजतिंह डहरवाल

बालाघाट वृत्त

छिन्दवाडा वृत्त
विशेष कर्तव्य

२. उक्त पदोन्नति प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों के भावी निर्णय के अधीन होगी ।

३. म.पु.लोक तेवा पदोन्नति नियम २००२ के अधीन सुविधा सुनिश्चित करने हेतु
अधिकारित रोत्टर के अनुतार पदोन्नति की प्रविष्टिया रोत्टर बंजी में कर दी गई है ।

४. प्रमाणित किया जाता है कि म.पु.लोक तेवा अनुसूचित जातिया, अनुसूचित जन
जातिया और अन्य घिल्डे वर्गों के लिए आरक्षण् अधिनियम १९९४ क्रमांक २१ तक १९९४
तथा म.पु.लोक तेवा पदोन्नति नियम २००२ के उपबन्ध और उक्त अधिनियम तथा नियमों
के उपबन्धों के प्रकाश में राज्य शासन द्वारा जारी किये गये आदेशों का अनुसालन किया
गया है तथा उते उक्त अधिनियम की पारा-६ की उपधारा ५। के उपबन्धों का पूर्ण
संज्ञान है ।

मध्यपृदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

टस्टां:

॥ मीनाक्षो गातवीया ॥

अवर तथिष्ठ

मध्यपृदेश शासन, वन विभाग

1121



पुस्तक राफ-८३/२२/२००६/१०-। :
प्रतिलिपि :-

મોદાલ દિનાંક | અક્ટુબર 2005

- प्रमुख संघिय, मुख्यमंत्रीजी, मुख्यमंत्री कायानिय, भोपाल ।
 निज तंत्रिय, मान. वनमंत्रीजी/राज्यमंत्रीजी म.प्र. शासन, भोपाल ।
 प्रधान मुख्य वन तरंक, मध्यप्रदेश भोपाल ।
 मुख्यवन सरंक श्रीप्रगांतन/अराजू मध्यप्रदेश भोपाल ।
 वन तरंक इन्दौर/बालाघाट/छिन्दवाडा मध्यप्रदेश ।
 वन मंडलाधिकारी, इन्दौर/धार/बालाघाट/छिन्दवाडा मध्यप्रदेश ।
 संबंधित अधिकारी द्वारा मुख्य वन सरंक श्रीप्रगांतन/अराजू मध्यप्रदेश भोपाल ।
 तटाक कार्जन

की ओर सूचनार्थ सर्व आवश्यक कार्यदाही हेतु अग्रेष्मा

अवर तात्परा
मध्य प्रदेश शासन, वन विभाग

॥जोड़ी॥

କାବ୍ୟନିତ୍ୟ ପଦ୍ଧାନ ମୁଖ୍ୟ କଣୀ ସେଇବା
ଏହାପଦ୍ଧା ମର୍ମ, ମଧ୍ୟ ପ୍ରଦେଶ ମୋପାଡ଼

સાહેબજી

19

‘गारिली’ :- वन गंभीर कृष्णा द्वारा बनायी गयी एक गीत है। इसे भूमारी। आवश्यक अर्थात् देख भीजिया। १० दिसंबर २०१८
वन जिलाय के निकटवाहे जाते

मध्य प्रदेश गांतन, बन पिंडाग
ज़िला अधीक्षण
बल्लाम बन, वोराल-४६२००५
// आदेश //

बोरपाल, दिनांक 20-५-२००५

क्रमांक संख्या ३-२२/०४/१०-१ राज्य गांतन भारत निकालिका उप कर
हेतु प्राणी को दिनांक १३-१२-२००५ से अस्थाई स्थान के आवासी आदेश तक
स्थानापन्न बन हेतु प्राणी के दृढ़ पर बोलनाम स्थान ५५००-१७५-९००० में
पदोन्नत कर उन्हें नाम के लम्ब कालम नं. ५ में लाखी स्थान पर पदस्थ
पिंडा जाता है :-

अ. पृ. घरीयता कु. दि. आपकारी का नाम - बहुमान नवीन
०१. ०४. ०३ ही वाहनाधारी वाहन
स्थिति में वाहनाधारी वाहन

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----|------|---------------------|--------------|---|
| १. | १०० | श्री पेतम पुरुषा | गुरुदेव हस्त | उमर्लटक बन पिंडाग |
| २. | १०४३ | श्री बाबू तल पांचडे | क्षतरुह हस्त | नीरादेही धन्द प्राची बन मण्डल ताल |

२/ उक्त पदोन्नति प्रयत्न स्थानीन् प्रावरणमें वाषी निर्मल के
अपीन होगी ।

३/ स. पृ. लोक तेवा पदोन्नति निवार २००२ के अधीन हुए तुनिरिका
एह नियारित रोल्टर ने अनुतार पदोन्नति की प्रविभिन्न रोल्टर
में कर दी गई है ।

४/ प्रमाणित किया जाता है कि स. पृ. लोक तेवा [अनुस्तुति जातियां,
जांगोतियां जारी किए गये के लिये दारका] जापानेयम
१९९४ क्रमांक २१ सन् १९९४ तथा क्रमांक २१२ प्रदोन्नति निवार २००२
के उपर्यूप और उक्त अधिनियम तथा नियमों के उपर्यूप के प्रकार में राज्य
गांतन भारत जारी किये गये जापेश्वर का अनुपादन किया गया है तथा उक्त
उक्त अधिनियम की धारा ८ की विधारा ॥ ॥ के उपर्यूप का पूर्ण तंडान है ।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा
आमनुजार

इन्होंने

। डॉ. केशव यादव ।

उप सचिव

मानव संस्कृति विभाग तथा विभाग

121

पु.५० रफ ३-२२/०४/१०-१.

गोपाल, दिनांक 20.5.2005

प्रतिलिपि-

- ✓ १०. बुद्ध तायिष, मुख्य गंडी जी, मुख्य गंडी कारबाहिल, गोपाल
 २०. निज तायिष, मान, वन गंडी जी, मुख्य तायिष, गोपाल
 ३०. प्रपान मुख्य वन तंरझु, मुख्य, गोपाल
 ४०. मुख्य वन संरझु [प्रशा/अराजी], मुख्य, गोपाल
 ५०. वन संरझु, गढ़डोल / उत्तरमुख्य/वायर, मुख्य
 ६०. संयालु, नौरादेही वन्य प्राची, तागर, मुख्य
 ७०. वन मण्डलाधिकारी, विक्षिप एम्मा वन मण्डल, गोपाल
 ८०. वन मण्डलाधिकारी, उत्तर वन मण्डल गढ़डोल, मुख्य
 ९०. तंबंधित कर्मवारी छारा कव संरझु एकात्मा/कारपुर
 की ओर शूचनार्थ सं आकारक कार्यवारी देते, प्रिया।

वन तायिष

मुख्य गोपाल वासन, वन विकार

१०५
२०५